भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *104
उत्तर देने की तारीख 11.12.2023

आगम शास्त्रों को पुन: लिखा जाना

***104. श्री श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ नेपाल, तिब्बत और चीन में पड़े आगम शास्त्रों और पांडुलिपियों के अनुवाद को संकलित करने और पुन:लिखने की कोई योजना है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का भारतीय संस्कृति पर आगम शास्त्रों के प्रभाव का मूल्यांकन करने का विचार है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'आगम शास्त्रों को पुनः लिखे जाने' के संबंध में दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *104 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): जी, हां। संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा भारतीय कलाओं से संबंधित मूल पाठ्य सामग्रियों को प्रकाशित करने हेतु समर्पित अपनी कलामूलशास्त्र श्रृंखला के माध्यम से विस्तृत विवरणों सहित नियमित रूप से आगम शास्त्रों का सम्पादन और प्रकाशन किया जाता है जिसमें भारतीय कला और संस्कृति के प्रभाव और महत्व पर यथोचित रूप से बल दिया गया है। प्रकाशित आगम शास्त्रों का विवरण निम्नानुसार है:

- दो खण्डों में स्वयंभू श्रुत संग्रह जैसे शैव आगम,
- पांच खण्डों में अजीतमहातंत्र,
- तीन खण्डों में वातुलशुद्धाख्य तंत्र,
- पांच खण्डों में वैष्णव आगम यथा ईश्वरसंहिता और
- चौदह खण्डों में शाक्त आगम यथा मंथानभैरव तंत्र।

****